आकर्षण ही तो व्यक्तित्व की शोभा है, यह आवश्यक नहीं कि जो सुन्दर हो वह आकर्षक हो ही, आकर्षण तो दूसरों को प्रभावित कर अपने वश में करने की कला है और ऐसे ही व्यक्ति सफलता प्राप्त करते हैं, आप अपनी ओर से हजार प्रयास करें लेकिन यदि सामने वाला व्यक्ति चाहे वह आपका मित्र हो, उच्च अधिकारी हो, अथवा कोई स्त्री, जब तक आप उसे प्रभावित नहीं कर देते, अपने आकर्षण के घेरे में बांध नहीं लेते, तब तक सफलता नहीं मिल सकती।

कामदेव-कामेश्वरी

जीवन में कुछ करने के लिए विशेष प्रयत्न करना पड़ता है, जोड़-तोड़ करनी पड़ती है, क्योंकि सफलता ऐसी वस्तु नहीं है, जो कहीं रखी है और उसको उठा कर जेब में रख दी।

कामदेव-कामेश्वरी साधना का संबंध केवल स्त्री पुरुष आकर्षण संबंधों से ही नहीं है, यह तो व्यक्तित्व में ताजगी, छटा तथा बहार लाने की साधना है, अपने भीतर आनन्द का प्याला भरने की साधना है।

आकर्षण साधना कैसे करें?

शुक्रवार को प्रातः अपने पूजा स्थान में एक कलश पानी भर कर रखें, किसी भी प्रकार के 24 बड़े पत्ते पहले से लाकर रखें, सामने कामदेव-कामेश्वरी का मन्त्र सिद्ध **'अनंग यन्त्र'** स्थापित करें तथा एक पात्र में इस यन्त्र को रख कर अष्टगंध से पूजा करें तथा मन ही मन कामेश्वरी देवी का ध्यान करें कि–

'त्रिनेत्री, सिंहासन पर स्थित, पीताम्बर धारण किये हुए, सहस्र सूर्यों के समान तेज वाली, जो विष्णु और महेश की भी प्रिया है, उस कामेश्वरी देवी का मैं हृदय से ध्यान करता हूं।

6	48	18
36	24	12
30		42

मन्त्र

।। ॐ नमो कामदेवाय महाप्रभाय
ह्रीं कामेश्वरी स्वाहा।।

उसके पश्चात् चित्र में दिया गया यन्त्र 24 पत्तों पर किसी कलम से कुंकुम द्वारा लिखें, 24 पत्तों पर यन्त्र लिखने के पश्चात् प्रत्येक यन्त्र की पुष्प की पंखुड़ियों तथा चावल द्वारा पूजा करें, इसके पश्चात् कामदेव-कामेश्वरी मन्त्र की **'कामेश्वरी माला'** से 21 माला मन्त्र जप करें, पहले शुक्रवार को पत्तों पर लिखे यन्त्रों को थोड़ा मिश्री, घी तथा गेहूं के आटे में बांध कर नदी में बहा दें, उस दिन साधक एक समय भोजन करें, रोटी तथा हरी सब्जी लें, पृथ्वी पर शयन करें तथा ब्रह्मचर्य का पालन करें, इसी प्रकार दूसरे तथा तीसरे शुक्रवार को भी प्रयोग की सभी क्रियाएं दोहराए तीन शुक्रवार की साधना के पश्चात् यन्त्र को एक सुरक्षित आले में रख दें और उस पर सफेद वस्त्र का पर्दा डाल दें तथा प्रतिदिन धूप अवश्य देते रहें।

तीन शुक्रवार की इस साधना से स्त्री हो अथवा पुरुष उसकी न केवल काम तथा सौभाग्य सम्बन्धी कामनाएं पूरी होती हैं बल्कि जीवन में प्रसन्नता आनन्द की लहर बनने लगती है, साधक शारीरिक तथा मानसिक दृष्टि से श्रेष्ठता अनुभव करता है तथा दूसरों से जो कार्य कराना चाहता है, अपने आकर्षण के प्रभाव से सम्पन्न करा सकता है।

साधना सामग्री - 450/-